DAY —— **11** SEAT NUMBER

2024	VII	30	1100	J-213	(H)

BOOK KEEPING & ACCOUNTANCY (50)

Time : 3 Hrs. **(12 Pages)** **Max. Marks : 80**

प्र. १. निम्नांकित सभी उपप्रश्नों के उत्तर लिखिए : **[२०]**

(अ) नीचे दिए गए कथन अथवा वाक्यांशों से अपनी सहमति अथवा असहमति लिखिए : (५)

(१) कानूनी सॉफ्टवेयर (legal software), बिना किसी प्रतिबंध के संपूर्ण कार्यात्मक सॉफ्टवेयर (functional software) होता है।

(२) विपत्र के निवर्तन पर दी गई छूट (अपहार) आहार्यी के लिए आय होती है।

(३) वसूली पर हानि को दिवालिया साझेदार के पूँजी लेखे में स्थानांतरित नहीं किया जाता है।

(४) लाभ न कमाने वाली संस्था (ग़ैर लाभकारी संगठन) का उद्देश्य लाभ (नफा) कमाना होता है।

(५) भारत साझेदारी अधिनियम को सन् (वर्ष) १९४५ में लागू किया गया था।

(ब) योग्य पर्याय चुनकर वाक्यों को पूर्ण करके पुन: लिखिए : (५)

(१) मृत्यु के पश्चात् साझेदार के पूँजी लेखे की शेष राशि को ——— लेखे में स्थानांतरित किया जाता है।

(अ) रिश्तेदारों के

(ब) कानूनी वारिसदार/उत्तराधिकारी के क़र्ज़

(क) साझेदारों के पूँजी

(ड) साझेदारों के क़र्ज़

(२) संपत्तियों की कीमत में घट हो, तो लाभा-लाभ समायोजन लेखे में ——— करते हैं।

(अ) विकलन (debited)

(ब) समाकलन (credited)

(क) वृद्धि (जोड़ करते) (added)

(ड) समान (बराबर) (equal)

(३) समायोजित पूँजी से अधिक दिखाई देने वाली प्रत्यक्ष पूँजी ———

(अ) समान पूँजी (ब) अतिरिक्त पूँजी

(क) कम पूँजी (ड) मुनाफा (लाभ)

(४) चालू लेखा वर्ष में अग्रिम प्राप्त सदस्यता शुल्क यह एक ——— होती है।

(अ) आय (ब) व्यय

(क) संपत्ति (ड) देयता

(५) यदि साझेदारों में कोई भी करार ना हुआ हो, तो लाभ का बँटवारा (विभाजन) ——— अनुपात में किया जाता है।

(अ) समान

(ब) पूँजी

(क) प्रारंभिक योगदान

(ड) अनुभव और समयावधि के अनुसार

(क) दिए गए प्रत्येक कथन के लिए मात्र एक ही शब्द / संज्ञा / शब्द समूह / वाक्यांश में उत्तर दीजिए : (५)

(१) वह संपत्ति जिसे तुरंत रोक (cash) में परिवर्तित कर सकते हैं।

(२) वसूली लेखे (realisation accounts) की विकलनाधिक्य राशि

(३) वह अनुपात जिसमें पुराने साझेदारों के बीच में सामान्य निधि (general reserve) को वितरित (विभाजित) किया जाता है।

(४) लाभ न कमाने वाली संस्था (not-for-profit organisation) की कुल संपत्ति का कुल देयताओं पर आधिक्य।

(५) वह लेखा जिसमें विक्रय से संबंधित व्यय अंतिम लेखे में दर्ज किए जाते हैं।

(ड) निम्न शब्द-समूह में से विसंगत / अलग शब्द ढूँढ़कर लिखिए : (५)

(१) प्रब्याजि, अपहार, सममूल्य, दलाली

(२) नोंदणी अधिकारी, आहर्ता, आहार्यी, आदाता / प्राप्तकर्ता

(३) भवन की बढ़ोतरी, यंत्रों में बढ़ोतरी, उपस्कर में घट, प्राप्य विपत्र में बढ़ोतरी

(४) अतिरेक, हीनता, शुद्ध लाभ, पूँजी कोष

(५) गाड़ी आवक (आगतवाहन व्यय) खर्च, वेतन, अधिकार शुल्क, आयात शुल्क

प्र. २. सचिन और संतोष साझेदारी के व्यवसाय में रहकर लाभ-हानि को परस्पर ३ : १ के अनुपात में बाँटते हैं। उनका स्थिति-विवरण ३१ मार्च, २०२० को निम्नानुसार था : **[१०]**

स्थिति विवरण

३१ मार्च, २०२० को

देयताएँ	राशि (₹)	संपत्तियाँ	राशि (₹)
पूँजी लेखा :		अधमर्ण	१,६०,०००
सचिन	३,००,०००	भूमि और भवन	८०,०००
संतोष	१,००,०००	स्कंध	१,००,०००
सामान्य संचिति	४०,०००	उपस्कर	५५,०००
उत्तमर्ण	२,००,०००	यंत्र सामग्री	१,५०,०००
देय विपत्र	५०,०००	रोकड़	२,००,०००
बैंक ओवरड्राफ्ट	५५,०००		
	७,४५,०००		**७,४५,०००**

१ अप्रैल, २०२० को किशोर को निम्नलिखित शर्तों पर साझेदारी में प्रवेश दिया गया :

(१) वह पूँजी के रूप में ₹ १,००,००० लाएगा और उन्हें आगे भविष्य के लाभ में १/५ हिस्सा दिया जाएगा, साथ ही उन्हें ख्याति के लिए ₹ ५०,००० भी लाना होगा।

(२) स्कंध की ५% से और भवन की २०% से बढ़ोतरी होना चाहिए।

(३) उपस्कर का २०% की दर से अवक्षयण करना चाहिए।

(४) अधमर्णों पर ५% सं.ऋ.स. का आयोजन करना है।

(५) सभी साझेदारों के पूँजी खातों को उनके नये लाभ–हानि के अनुपात में रोक लेखे से समायोजित करवाना होगा।

तैयार कीजिए :

(अ) लाभ–हानि समायोजन लेखा

(ब) साझेदारों के पूँजी लेखा

(क) नई साझेदारी संस्था का स्थिति–विवरण

अथवा

अक्षद, आदित्य और आभा तीनों साझेदार हैं। वे अपने लाभ–हानि समान–अनुपात में बाँटते हैं। ३१ मार्च, २०२२ को उनका स्थिति–विवरण निम्नानुसार प्राप्त हुआ :

स्थिति विवरण

३१ मार्च, २०२२ को

देयताएँ	राशि (₹)	संपत्तियाँ		राशि (₹)
उत्तमर्ण	५०,५००	यंत्र		५३,०००
सुरक्षित निधि	२२,५००	स्कंध		३२,०००
देय विपत्र	१५,०००	प्राप्य विपत्र		४७,०००
पूँजी खाते :		अधिकोषस्थ रोक		२१,०००
अक्षद	६५,०००	अधमर्ण	२८,०००	
आदित्य	४०,०००	घटाएँ: सं.ऋ.स.	३,०००	२५,०००
		आभा की पूँजी		१५,०००
	१,९३,०००			**१,९३,०००**

३१ मार्च, २०२२ को फर्म के समापन का निर्णय लिया गया :

(१) संपत्तियों का पुनर्मूल्यांकन निम्नानुसार हुआ :

स्कंध	₹ ३१,०००
यंत्र	₹ ३९,५००
प्राप्य विपत्र	₹ ४१,०००
अधमर्ण	₹ २७,०००

(२) उत्तमर्णों को ₹ ५०० के अपहार पर पूर्ण भुगतान किया गया और देय-विपत्र का पूर्णतः भुगतान किया गया।

(३) वसूली व्यय ₹ ६,६०० हुआ।

(४) आभा दिवालिया घोषित हुई और उनकी निजी संपत्ति से सिर्फ ₹ ३,५०० की राशि प्राप्त हो पाई।

तैयार कीजिए :

(अ) वसूली लेखा

(ब) साझेदारों का पूँजी लेखा

(क) बैंक लेखा (अधिकोष लेखा)

प्र. ३. मीनू, रेणु और सोनू समान लाभ-हानि अनुपात के साझेदार हैं। उनका स्थिति-विवरण ३१ मार्च, २०२१ को इस प्रकार से है : **[१०]**

स्थिति विवरण

३१ मार्च, २०२१ को

देयताएँ	राशि (₹)	संपत्तियाँ		राशि (₹)
पूँजी लेखा		बैंक		२५,४००
मीनू	४६,६००	अधमर्ण	२८,०००	
रेणु	३८,०००	घटाएँ - सं.ऋ.स.	१,९००	२६,१००
सोनू	३५,०००	संगणक		१७,५००

उत्तमर्ण	४०,९००	भवन	७०,०००
सामान्य निधिकोष	१३,५००	यंत्र	२५,०००
		उपस्कर	१०,०००
	१,७४,०००		**१,७४,०००**

१ अप्रैल, २०२१ को सोनू निम्नलिखित शर्तों पर साझेदारी से निवृत्त हुईं :

(१) भवन में १०% की दर से बढ़ोतरी करना है।

(२) सभी अधमर्ण वसूली योग्य हैं।

(३) संगणक पर १०% दर से अवक्षयण लगाना है।

(४) यंत्र तथा उपस्कर दोनों ₹ २२,५०० और ₹ ९,५५० से पुनर्मूल्यांकित करना है।

(५) ₹ १८,००० का आंशिक भुगतान NEFT (नेट बैंकिंग) द्वारा सोनू को देकर अन्य शेष-राशि उनके ऋण लेखे में स्थानांतरित कर दी गई।

तैयार कीजिए :

(अ) लाभ-हानि समायोजन लेखा

(ब) साझेदारों का पूँजी लेखा

(क) मीनू और रेणु का स्थिति-विवरण

अथवा

कावेरी ने गौरी को ₹ ४८,००० की वस्तुएँ बेचीं। कावेरी ने दो माह की अवधि का विपत्र बनाया और गौरी ने उसे उसी दिनांक पर स्वीकृति दी।

कावेरी ने गौरी से स्वीकृत विपत्र को बैंक में ले जाकर १०% प्र.व. की दर से पूर्व प्रापित किया।

दातव्य तिथि को विपत्र का अनादरण हो गया। गौरी ने कावेरी से प्रार्थना कर ₹ ८,००० लेकर अन्य शेष-राशि पर ११% ब्याज ले ३ माह की अवधि का नया-विपत्र पुन: लिखवाया और दुबारा अपनी स्वीकृति दी।

गौरी को दिवालिया घोषित कर दिया गया और तत्पश्चात उनकी संपत्ति से सिर्फ ४०% रकम प्राप्त हुई।

कावेरी की दैनिक पंजी में प्रविष्टियाँ कीजिए।

प्र. ४. अ, ब और क आपस में साझेदार थे और व्यवसाय के लाभ–हानि को ३ : २ : १ के अनुपात में विभाजित करते थे। **[८]**

३१ मार्च, २०२२ को उनके स्थिति–विवरण का लेखा–जोखा निम्नलिखित है :

स्थिति विवरण

३१ मार्च, २०२२ को

देयताएँ	**राशि (₹)**	**संपत्तियाँ**	**राशि (₹)**
पूँजी खाते :		भवन	८०,०००
अ	६०,०००	मोटर गाड़ी	४०,०००
ब	४०,०००	अधमर्ण	२८,०००
क	२०,०००	उपस्कर	३६,०००
उत्तमर्ण	५६,०००	बैंक	२८,०००
सुरक्षित निधि	३६,०००		
	२,१२,०००		**२,१२,०००**

१ अगस्त, २०२२ को 'क' की मृत्यु हुई और निम्नलिखित समायोजनाएँ निश्चित की गईं:

(१) संपत्तियों का पुनर्मूल्यांकन हुआ :

भवन ₹ ८८,०००

मोटर गाड़ी ₹ ३६,०००

उपस्कर ₹ ३५,०००

(२) संस्था की ख्याति को पिछले ४ वर्ष के औसत लाभ की दुगुनी वार्षिक खरीद से आगणित किया जाएगा।

(३) 'क' साझेदार के लाभ का हिस्सा पिछले ३ वर्षों के लाभ के आधार पर आगणित किया जाएगा।

(४) पिछले ४ वर्षों का लाभ : ₹ २२,०००, ₹ ३४,०००, ₹ २४,०००, ₹ ३२,०००

तैयार कीजिए :

(अ) लाभ और हानि समायोजन लेखा

(ब) क-साझेदार का पूँजी लेखा

(क) क-साझेदार के ख्याति-हिस्से का आगणन कीजिए

(ड) क-साझेदार की मृत्यु दिनांक तक उसके लाभ-हिस्से का आगणन कीजिए

अथवा

बजाज लिमिटेड के आय-विवरण का लेखा-जोखा वर्ष ३१ मार्च, २०२१ और ३१ मार्च, २०२२ के लिए निम्नानुसार दिया गया है। इसके आधार पर तुलनात्मक आय विवरण (comparative statement) प्रस्तुत कीजिए।

विवरण	**३१ मार्च, २०२१ (₹)**	**३१ मार्च, २०२२ (₹)**
विक्रय	७,००,०००	९,००,०००
<u>घटाएँ</u> : बिक्रीय लागत	४,००,०००	५,५०,०००
सकल लाभ (GP)	३,००,०००	३,५०,०००
<u>घटाएँ</u> : अप्रत्यक्ष खर्च	६०,०००	४०,०००
कर पूर्व शुद्ध लाभ (NPBT)	२,४०,०००	३,१०,०००
<u>घटाएँ</u> : ५०% आयकर	१,२०,०००	१,५५,०००
कर पश्चात शुद्ध लाभ (NPAT)	**१,२०,०००**	**१,५५,०००**

प्र. ५. महालक्ष्मी लिमिटेड ने २५,००० समता अंश ₹ १०० प्रति अंश के दर पर निर्गमित किए। **[८]**

जिनके लिए निम्न प्रकार से राशि माँगी गई है :

आवेदन राशि	₹ २०
आबंटन राशि	₹ ३०
प्रथम याचना	₹ २०
द्वितीय एवं अंतिम याचना	₹ ३०

कुल २९,००० समता अंशों के लिए आवेदन प्राप्त हुए और आधिक्य प्राप्त राशि को आबंटन से समायोजित कराया गया।

यद्यपि उपर्युक्त सभी माँगी गई राशियों की प्राप्ति हुई, पर १,००० समता अंश की द्वितीय एवं अंतिम याचना की राशि प्राप्त नहीं हुई।

महालक्ष्मी लिमिटेड की दैनिक पंजी. प्रविष्टियाँ लेखा पुस्तकों में दीजिए।

अथवा

संगणकीय लेखांकन प्रणाली (Computerised Accounting System) की विशेषताएँ लिखिए।

प्र. ६. नीचे दिए गए 'रामपुर हाईस्कूल, रत्नागिरी', का प्राप्ति-शोधन लेखा ३१ मार्च, २०२२ तथा अतिरिक्त जानकारी के आधार पर तैयार कीजिए : **[१२]**

आय और व्यय लेखा ३१ मार्च, २०२२ का तथा उसी तिथि का स्थिति-विवरण भी तैयार कीजिए:

प्राप्ति-शोधन लेखा ३१ मार्च, २०२२

को समाप्त वर्ष के लिए

विक. **समा.**

प्राप्ति		राशि (₹)	शोधन	राशि (₹)
आधिक्य अ./आ.			कर्मचारियों का वेतन	४७,१०,०००
रोक	२४,०००		छपाई और लेखन सामग्री	६८,०००
बैंक	४,००,०००	४,२४,०००	किताबें (पुस्तकें)	१,७६,०००

ब्याज	१,३२,०००	उपस्कर (१.१.२०२२		
दान	१४,००,०००	को खरीदा)		१,५६,०००
(शिक्षा) ट्यूशन शुल्क	३०,००,०००	नाटक व्यय/खर्च		१,८०,०००
प्रवेश शुल्क	९,३०,०००	बिजली खर्चे		१,३४,०००
नाटक प्राप्तियाँ	२,००,०००	मैगज़ीन और समाचार पत्र		१२,०००
वसीयत द्वारा प्राप्त दान	१,२०,०००	आधिक्य अ./नी.		
(पूँजी)		रोक	१,२४,०००	
		बैंक	६,४६,०००	७,७०,०००
	६२,०६,०००			**६२,०६,०००**

अतिरिक्त जानकारियाँ :

(१)

विवरण	**१ अप्रैल, २०२१ (₹)**	**३१ मार्च, २०२२ (₹)**
किताबें (पुस्तकें)	१८,००,०००	१७,७६,०००
उपस्कर	६,५२,०००	६,००,०००
भवन निधि/कोष	१६,५४,०००	?
पूँजी निधि/कोष	१२,२२,०००	?

(२) ६०% दान को भवन निधि/कोष और अन्य शेष राशि को राजस्व प्राप्ति (आयगत आय) मानिए।

(३) कर्मचारियों का अदत्त वेतन ₹ १,४०,००० है।

प्र. ७. रसिका और दीक्षा के साझेदारी व्यवसाय का दी गई परीक्षा–सूची और समायोजनाएँ ध्यानाकर्षित करके ३१ मार्च, २०२२ को समाप्त वर्ष के लिए व्यापार और लाभालाभ लेखा एवं उसी तिथि का स्थिति विवरण तैयार कीजिए : [१२]

परीक्षा सूची

३१ मार्च, २०२२ को

विकलनाधिक्य	**राशि (₹)**	**समाकलनाधिक्य**	**राशि (₹)**
स्कंध (१.४.२०२१)	३०,८००	पूँजी लेखा :	
क्रय/खरीदी	८०,०००	रसिका	८०,०००
वेतन	६,८००	दीक्षा	८०,०००
मजदूरी	१०,५००	विविध उत्तमर्ण	३०,५००
राज शुल्क (अधिकार शुल्क)	३,२००	सावधि जमा पर	
छपाई और लेखन सामग्री	४,५००	प्राप्त ब्याज	१,०००
विविध अधमर्ण	४३,०००	विक्रय	१,२०,०००
उपस्कर	२०,२००		
निवेश (विनियोग)	४०,०००		
प्रचार/विज्ञापन (३ वर्ष)	३०,०००		
अशोध्य ऋण (bad-bebts)	५००		
हस्तस्थ रोक	२७,०००		
सावधि जमाएँ (fixed deposit)	१५,०००		
	३,११,५००		**३,११,५००**

समायोजनाएँ :

(१) सावधि जमाओं का ब्याज ₹ १,२०० अप्राप्त है।

(२) उपस्कर पर ५% प्र.व. की दर से अवक्षयण लगाइए।

(३) २.५% प्रमाण से सं.ऋ.सं. का विविध अधमर्ण पर आयोजन करना है।

(४) अंतिम स्कंध का लागत मूल्य ₹ ४०,००० तथा बाज़ार मूल्य ₹ ३५,००० था।

◆◆◆